हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, शुक्रवार, 11 अप्रैल 2025

11 ड्रग फ्री हरियाणा अभियानः जिले के नौ और...

12 कनीना मंडी में हुई नौ हजार क्विंटल गेहूं की खरीद, उठान...

257 आए आवेदन, 9 सरकारी स्कूल व 21 पंचायतों को खेल नर्सरी अलॉट, अब दूसरी लिस्ट का इंतजार

- जिन्हें खेल नर्सरी मिली, वह 11 अप्रैल से ही होगी संचालित, खिलाड़ी व प्रशिक्षक की सूचना खेल नर्सरी पोर्टल पर करनी होगी अपलोड

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

खेल विभाग ने जिला में खेल नर्सरी लेने के लिए 15 मार्च तक आवेदन मांगे थे। इसके बाद तिथि को बढ़ाते हुए 31 मार्च कर दी। इस दौरान जिला से 257 आवेदन आए। इनकी छंटनी की गई। फिजिकल तौर पर जाकर देखा गया कि वास्तव में खेल नर्सरी के लिए तय नियम यह पूरे करते है या नहीं। अभी यह प्रक्रिया चल ही रही थी।

इसी दौरान खेल विभाग के महानिदेशक ने जिला में 30 खेल नर्सरी अलॉट का पत्र जारी कर दिया। वीरवार को जारी इस पत्र में जिला के नौ सरकारी स्कूल व 21 ग्राम पंचायत को खेल नर्सरी अलॉट की गई है। खेल विभाग के सूत्र बताते है कि अभी दूसरी लिस्ट ओर जारी होनी है। संभावना है कि कम से कम जिला में 100 के करीब खेल नर्सरी अलॉट होगी।

खेल विभाग के महानिदेशक की ओर से वीरवार प्रदेश्ख के सभी जिला खेल अधिकारी के नाम पत्र क्रमांक 10429–10450 जारी किया है। इसमें वर्ष 2025–26 के लिए खेल नर्सरियां का आबंटन किया है। सरकारी शिक्षण संस्थान तथा ग्राम पंचायतों को अलॉट की गई खेल नर्सरियों की सूची भेजते हुए निर्देश दिए गए है कि संबंधित संस्थाओं को आदेश देना सुनिश्चित करें, नर्सरी हिदायतानुसार आबंटित खेल नर्सरियों में खिलाड़ियों का चयन करने उपरांत चयनित खिलाड़ियों की वांछित सूचना व नर्सरी में नियुक्त किए गए प्रशिक्षक की सूचना खेल नर्सरी पोर्टल पर अपलोड करनी होगी। संबंधित दस्तावेजों की सत्यापित प्रति अपने जिला खेल कार्यालय में जमा करवानी होगी और खेल नर्सरी हिदायतानुसार सभी औपचारिकताएं पूर्ण करने उपरांत आबंटित खेल नर्सरियों को 11 अप्रैल से संचालित करना सुनिश्चित करें।

नारनौल। स्टेडियम में तैयारी करते खिलाड़ी। (फाइल फोटो)

यह रहेगी सुविधा

खेल नर्सरी अलॉट होने पर संबंधित संचालक खिलाड़ियों का चयन करेंगे और इसमें शामिल करेंगे। चयनित खिलाड़ी जिनकी उम्र आठ से 14 साल है, उन्हें खेल विभाग हर माह दो हजार रुपये और 15 से 19 साल के खिलाड़ियों को तीन हजार रुपये मासिक खुराक भत्ता दिया जाएगा। यह राशि खिलाड़ियों के सीधे बैंक खाते में आएगी। इसके लिए प्रत्येक खिलाड़ी की एक माह में कम से कम 22 दिन ही नर्सरी में हाजिरी जरूरी है।

इन 9 सरकारी स्कूल को मिली खेल नर्सरी

खेल	स्कूल
वॉलीबॉल	जीएसएसएस आजमाबाद मौखूता
एथलेटिक्स	जीएमएसएसएसएस
वॉलीबॉल	केजीबीवी नियामतपुर
वॉलीबॉल	एसबीएसजीएसएसएस बुढ़वाल
क्रिकेट	जीएसएसएस खुड़ाना
एथलेटिक्स	जीएमएसएसएसएस महेंद्रगढ़
कबड्डी	जीएसएसएस दौंगड़ा अहीर
एथलेटिक्स	जीएसएसएस कांवी
हॉकी	जीएमएसएसएसएस कनीना

क्या कहते है खेल अधिकारी

जिला खेल अधिकारी का चार्ज संभाल रहे नरेंद्र कूंडू ने बताया कि 257 आवेदन खेल नर्सरी के लिए आए थे। वीरवार को एक लिस्ट जारी हुई है, उसमें 30 खेल नर्सरी जिला को अलॉट हुई है। अभी ओर लिस्ट आएगी।

इन 21 ग्राम पंचायतों में खुलेगी खेल नर्सरी

खेल	पंचायत/संस्था
वॉलीबॉल	डीवीएस एंड एएएफ धौलेड़ा
एथलेटिक्स	राजीव गांधी स्टेडियम सिहमा
वॉलीबॉल	ग्राम पंचायत धानौता
कुश्ती	बाबा गौसाई व्यायामशाल सतनाली
एथलेटिक्स	खेड़ी
खो खो	नौताना
कबड्डी	बाबा भैइया कबड्डी एकेडमी
खो खो	ग्राम पंचायत भोजावास कनीना
कबड्डी	ग्राम पंचायत बास सतनाली
एथलेटिक्स	जेसी स्पोर्ट्स क्लब दनचौली
एथलेटिक्स	ग्राम पंचायत गुवानी
कबड्डी	ग्राम पंचायत पाथेड़ा
वॉलीबॉल	ग्राम पंचायत खुड़ाना
हैंडबॉल	ग्राम पंचायत चेलावास
एथलेटिक्स	मानसिंह खेल ग्राउंड खोड अटेली
एथलेटिक्स	ग्राम पंचायत बड़कोदा
एथलेटिक्स	सतनाली
वॉलीबॉल	ग्राम पंचायत कारोली
कुश्ती	ग्राम पंचायत कटकई
वॉलीबॉल	डेरोली अहीर
फुटबाल	ग्राम पंचायत उन्हाणी कनीना

खबर संक्षेप

आज कनीना मंडी में नहीं होगी सरसों की खरीद

कनीना। कनीना मंडी में सरसों की अधिक आवक होने व उठान कार्य में तेजी लाने के लिए 11 अप्रैल को सरसों की खरीद नहीं होगी। यह जानकारी देते हुए मार्केट सचिव विजय सिंह ने बताया कि मंडी में सरसों की अधिक आवक होने व उठान कार्य के कारण 11 अप्रैल को सरसों की खरीद नहीं होगी। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे इस दिन अपनी फसल को लेकर मंडी में न आएं।

श्रीहनुमान जन्मोत्सव पर भंडारा कल

नारनौल। श्री मेहंदीपुर बालाजी मित्र मंडल के तत्वावधान में 12 अप्रैल को श्री हनुमान जन्मोत्सव पर अग्रवाल सभा भवन में प्रातः 11:15 बजे भंडारे का आयोजन किया जाएगा। वहीं रात्रि 8:15 बजे जागरण कार्यक्रम का आयोजन राजकुमार खंडेलिया के सानिध्य में किया जाएगा। मुख्य अतिथि सतनारायण गुप्ता, जयप्रकाश अग्रवाल होंगे।

ढाणी बाठोठा में हनुमान जयंती पर भंडारा कल

नारनौल। गांव ढाणी बाठोठा स्थित बिजली घर में हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में जागरण व भंडारे का आयोजन किया जाएगा। राजेन्द्र यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि हर वर्ष की तरह हनुमान जयंती पर बिजली घर समिति सदस्यों की ओर से 11 अप्रैल रात्रि जागरण, 12 अप्रैल सुबह 8:15 बजे हवन व 9:15 पर भंडारे का शुभारम्भ किया जाएगा।

अवैध हथियार के साथ आरोपी को पकड़ा

नारनौल। सीआईए ने अवैध हथियार रखने के मामले में गश्त के दौरान थाना शहर क्षेत्र छोटा बड़ा तालाब के पास से एक आरोपित राहुल वासी मोहल्ला फलसा संघिवाड़ा को अवैध हथियार व जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। मामले में कार्रवाई करते हुए सीआईए ने अवैध हथियार उपलब्ध कराने वाले आरोपित विनोद वासी मोहल्ला मिश्रवाड़ा को भी गिरफ्तार किया है।

पैसे निकालने के मामले में आरोपी गिरफ्तार

नारनौल। मंदिर का दानपात्र तोड़कर पैसे निकालने के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना अटेली पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान सचिन वासी महासर अटेली के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपित को महासर क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पता लगाया कि आरोपित नशे का आदी है। आरोपित ने महासर के शिव मंदिर से दानपात्र तोड़कर पैसे निकालने की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने पूछताछ में आरोपित से नकदी बरामद की है। शिकायतकर्ता सुन्दरलाल पुजारी वासी महासर ने थाना अटेली में चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी।

29 मार्च को 533 नए चिकित्सकों को जारी किए थे नियुक्ति पत्र

महेंद्रगढ़ में 20 चिकित्सकों ने संभाला कार्यभार, आठ का अब भी इंतजार

सबसे अधिक 16 महेंद्रगढ़, नारनौल में 4, सतनाली में 3, कनीना में 2, नांगल चौधरी में एक, अटेली में एक व नांगल सिरोही में एक चिकित्सक शामिल है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

प्रदेश सरकार द्वारा हाल ही में 533 नए चिकित्सकों के नियुक्त पत्र स्टेशन समेत जारी किए थे, तब उनमें 28 मेडिकल अफसर जिला महेंद्रगढ़ में विभिन्न स्टेशनों पर ज्वाइन करने वाले भी शामिल थे, लेकिन उनमें से अब तक जिला महेंद्रगढ़ में लगभग 20 डाक्टरों ने ही ज्वाइन किया है। जिस कारण शेष चिकित्सकों की ज्वाइनिंग का अब भी इंतजार है।

गौर हो कि प्रदेश सरकार ने 29 मार्च को 533 नए चिकित्सकों को नियुक्ति पत्र जारी किए थे। इसमें जिला महेंद्रगढ़ को भी 28 मेडिकल ऑफिसर मिले हैं। इनमें सबसे अधिक 16 महेंद्रगढ़, नारनौल में 4, सतनाली में 3, कनीना में 2, नांगल चौधरी में एक, अटेली में एक व नांगल सिरोही में एक चिकित्सक शामिल है।

चिकित्सकों की नियुक्त होने से जिले की जिन सीएचसी व पीएचसी में चिकित्सकों की कमी बनी हुई है, वहां चिकित्सकों को नियुक्त किया जा रहा है।

यहां बता दें कि प्रदेश सरकार ने नियुक्ति के साथ ही नए डाक्टरों को उनके स्टेशन अलॉट कर दिए थे। इस नियुक्ति उपरांत इन नए चिकित्सकों को सिविल सर्जन कार्यालय को सूचित करना था और स्टेशन ज्वाइन करना था। इन 28 डाक्टरों में से सिविल सर्जन कार्यालय में अब तक लगभग 20 डाक्टरों ने ही ज्वाइन किया है, जबकि दस दिन से अधिक समय बीत चुका है।

स्वास्थ्य विभाग के लिए खुशखबरी: 533 मेडिकल अफसरों के नियुक्ति पत्र जारी

जिले को मिले 28 मेडिकल अफसर स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगी मजबूती

यह कहते हैं सिविल सर्जन

नारनौल। 30 मार्च को हरिभूमि में प्रकाशित समाचार। फोटो: हरिभूमि

एक महिला चिकित्सक ट्रांसफर होकर आई

गौर करने वाली बात यह भी है कि जिला नागरिक अस्पताल में एक नई महिला रोग विशेषज्ञ भी आई है। यह महिला चिकित्सक गुरुग्राम से ट्रांसफर होकर आई हैं तथा इन्होंने अपना पदभार भी संभाल लिया है। इससे महिलाओं को चिकित्सक की कमी काफी हद तक दूर हुई है, लेकिन अब भी महिला रोग विशेषज्ञों की और जरूरत है। राउंड क्लॉक की बात करें को एक दिन में ही कम से तीन महिला चिकित्सक एवं एक या दो रिजर्व महिला चिकित्सक की आवश्यकता होगी। इतना ही नहीं, जिले के अन्य सरकारी अस्पतालों में भी महिला रोग विशेषज्ञों की आवश्यकता बनी हुई है।

अल्ट्रासाउंड की बढ़ी सुविधा

विधानसभा चुनावों के दौरान तत्कालीन सिविल सर्जन डा. रमेश चंद आर्य का ट्रांसफर होने उपरांत कुछ समय के लिए अल्ट्रासाउंड विशेषज्ञ डा. धर्मेंद्र सांगवान के पास कार्यकारी के तौर पर चार्ज आ गया था। उस समय नागरिक अस्पताल के एमएस का पद भी रिक्त बना हुआ था। इस कारण स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा गई थी, लेकिन रेगुलर सिविल सर्जन डा. अशोक कुमार मिलने से यह समस्या दूर हो गई। एमएस के रूप में डा. आशा कार्यभार संभाल रही हैं। इससे अल्ट्रासाउंड केंद्र के हालात काफी सुधरे हैं, क्योंकि अब डा. धर्मेंद्र सांगवान अल्ट्रासाउंड का कार्यभार स्वतंत्र होकर संभाल रहे हैं, जिस कारण पहले के 30 अल्ट्रासाउंड की तुलना में अब दोगुना संख्या तक पार करने लगी है।

यह कहते हैं अधिकारी

चिकित्सकों की सूची में जिले को 28 मेडिकल ऑफिसर मिले हैं। इनमें 20 के करीब चिकित्सकों ने कार्यभार संभाल लिया है। शेष के भी जल्द ज्वाइन करने की उम्मीद है। स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

-डॉ. अशोक कुमार, सिविल सर्जन, नारनौल

महेंद्रगढ़। किसान गोष्ठी में उपस्थित किसान। फोटो: हरिभूमि

हाइब्रिड सरसों दे रही है किसानों को बंपर पैदावार

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

गांव बचीनी में किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रगतिशील किसान देवेंद्र के खेत में आयोजित किया गया। इस दौरान किसानों को फसल कटाई के दौरान बरती जाने वाली सावधानी के साथ-साथ अच्छी पैदावार के लिए विभिन्न उपाय बताते हुए कहा कि संतुलित मात्रा में खाद्य पानी का इस्तेमाल जरूरी है। कंपनी अधिकारी रजनीश चौधरी व क्षेत्रीय प्रतिनिधि मामन सिंह ने सही बीज का चुनाव और कंपनी के पंचसूत्र के बारे में जानकारी दी, जिससे किसान अपनी पैदावार बढ़ा सके। गांव बचीनी में उन्होंने कहा कि अब फसल कटाई करते समय सावधानी से कार्य करें और आगामी फसलों के लिए तैयारी करें। पायनियर क्षेत्रीय अधिकारी डॉ. रजनीश चौधरी ने किसानों को जैविक खेती का महत्व बताते हुए कहा कि सरसों में पचसूत्र को अपनाकर बेहतर उत्पादन ले सकते हैं। इस किसान गोष्ठी में गांव बचीनी के बीज बिक्री दुकानदार (राजेश खाद बीज भंडार राजेश कुमार) ने भी भाग लिया। गांव के लगभग 110 किसानों को जानकारी देकर प्रगतिशील किसानों को सम्मानित भी किया गया।

रात्रि को तेज आंधी के साथ बारिश, तापमान में गिरवट

- मौसम में बदलाव व झुलसाने वाली गर्मी तथा हीट वेव से आमजन को मिली राहत

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हरियाणा एनसीआर दिल्ली पर मौसम प्रणाली पश्चिमी विक्षोभ का असर साफ तौर पर देखने को मिल रहा है। जिसकी वजह से सम्पूर्ण इलाके में मौसम में बदलाव व पिछले दिनों झुलसाने वाली गर्मी तथा हीट वेव से आमजन को राहत भी मिली है। बता दें कि वर्तमान में एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से बुधवार रात्रि हरियाणा एनसीआर दिल्ली के दक्षिणी हिस्सों में विशेषकर जिला महेंद्रगढ़, चरखी दादरी, झज्जर, रोहतक, गुरुग्राम, फरीदाबाद व एनसीआर पर असर देखने को मिला। यहां 15 से 20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने अंधड़ के साथ हल्की बारिश व बूंदाबांदी तथा एक दो स्थानों पर गर्ज चमक के साथ ओलावृष्टि हुई, जबकि वीरवार को पहले सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, कैथल, जींद, पानीपत, सोनीपत जिलों में बिखराव वाली हल्की बारिश व बूंदाबांदी और तेज गति से हवाएं अंधड़ की गतिविधियों को दर्ज किया गया, जबकि जिला महेंद्रगढ़ में बिखराव वाली बूंदाबांदी हुई।

मौसम विशेषज्ञ डा. चंद्र मोहन ने बताया कि इस मौसम प्रणाली का असर वीरवार को रात्रि व 11 तथा 12 अप्रैल को भी हरियाणा एनसीआर दिल्ली में देखने को मिलेगा। इस दौरान हल्की से मध्यम बारिश तथा बूंदाबांदी व तेज गति से हवाएं चलने, अंधड़ और एक दो स्थानों पर ओलावृष्टि की संभावना है। इस मौसम प्रणाली से सम्पूर्ण इलाके पर लगातार बादलों की आवाजाही बनी हुई है और हरियाणा एनसीआर दिल्ली में बारिश बूंदाबांदी तेज गति से हवाएं चलने व अंधड़ की गतिविधियों से गर्मी और हीट वेव तेवरों को ढीला कर दिया है। वीरवार को हरियाणा एनसीआर दिल्ली में अधिकतर स्थानों पर दिन व रात के तापमान में हल्की गिरावट देखने को मिली। हरियाणा के अधिकतर स्थानों पर रात्रि तापमान क्रमशः 18.0 डिग्री सेल्सियस से 26.0डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जिला महेंद्रगढ़ में भी पश्चिमी मौसम प्रणाली का असर साफ तौर पर देखने को मिला। जहां बुधवार को शाम से ही बादलों की आवाजाही बनी रही व रातभर हल्की बारिश तथा 15 से 20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने, अंधड़ व गर्ज चमक के साथ नांगल चौधरी, अटेली, नारनौल में बिखराव वाली हल्की ओलावृष्टि हुई।

कहां कितनी बारिश

नारनौल	14.5 एमएम
महेंद्रगढ़	1.5
कनीना	4.0
अटेली	14.3
नांगल चौधरी	2.5
सतनाली	5.0

आमजन को मिली राहत

जिला महेंद्रगढ़ में नारनौल व महेंद्रगढ़ में दिन तथा रात के तापमान में हल्की गिरावट आने से आमजन को हीट वेव से हल्की राहत जरूर मिली है। जिले में नारनौल व महेंद्रगढ़ में दिन और रात का तापमान क्रमशः 40.5, 21.2, डिग्री सेल्सियस तथा 40.8 व 26.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

हादसें में होमगार्ड की मौत, चचेरा भाई घायल

महेंद्रगढ़। गांव कोथल खुर्द के समीप हुए सड़क हादसे में एक होमगार्ड की मौत हो गई। जबकि उसका चचेरा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर कर परिजनों को सौंप दिया है। मृतक होमगार्ड पुलिस लाईन नारनौल में कार्यरत था तथा शादी समारोह में शामिल होकर अपने घर लौट रहा था। मृतक को बाइक अंधेरा व मौसम खराब होने के कारण पेड़ से जा टकराई। पुलिस को दी शिकायत में गांव पटीकरा निवासी मुकेश कुमार ने बताया कि उसके दो लड़के हैं। उसका छोटा बेटा सचिन होमगार्ड में नौकरी करता था। जिसकी ड्यूटी पुलिस लाइन नारनौल में लगी हुई थी। उसका बेटा अपनी ड्यूटी करके मोटरसाइकिल पर सवार होकर मेरे भाई के लड़के विकास के साथ अपने रिश्तेदारी कोथल खुर्द में शामिल होने के लिए आया था। 10 अप्रैल की सुबह मेरा बेटा सचिन व मेरा भतीजा विकास दोनों ड्यूटी करने के लिए वापस अपने घर नारनौल आ रहे थे। जब वह कोथल खुर्द से भाडोर ऊंची के रास्ते पर गांव कोथल खुर्द से बाहर पहुंचे तो अंधेरा और मौसम खराब होने के कारण मोटरसाइकिल अचानक पेड़ से टकरा गई और दोनों मोटरसाइकिल सहित दोनों नीचे गिर गए। मेरे लड़के सचिन के सिर में चोट लगी जो मोटरसाइकिल मेरा भतीजा विकास चल रहा था। फिर विकास ने हमें फोन पर सूचना दी। सूचना मिलने के बाद मेरा भाई दिनेश व परिवार के अन्य सदस्य मौके पर पहुंचे तथा दोनों को एंबुलेंस की सहायता से सरकारी अस्पताल महेंद्रगढ़ में भर्ती करवाया।

बाइक व बोलेरो की टक्कर में चाचा-भतीजे की मौत

मंडी अटेली। अटेली से महेंद्रगढ़ रोड़ पर गुजरवास मोड़ के समीप वीरवार को बोलेरो व बाइक की भिड़ंत हो गई। भिड़ंत इतनी तेज थी कि बाइक पर सवार चाचा-भतीजा की मौत हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस व आसपास के लोगों ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए नारनौल के नागरिक अस्पताल पहुंचा दिया।

गुरुवार दोपहर साढ़े 12 बजे अटेली के गांव सिलारपुर निवासी करीब 55 वर्षीय बाबूलाल अपने 18 साल के भतीजे पवन के साथ बाइक पर सवार होकर अटेली से अपने गांव जा रहे थे। वह गुजरवास रोड पर नेशनल हाईवे से थोड़ा आगे पहुंचे तो सामने से आ रही बोलेरो गाड़ी ने बाइक सवारों को अपनी चपेट में ले लिया। भिडंत इतनी तेज थी कि बाइक दो हिस्सों में बंट गई तथा दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। बोलेरो चालक मौके से फरार हो गया। आसपास के लोगों ने दोनों को अटेली के सरकारी अस्पताल में पहुंचाया। जहां पर डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। टक्कर लगने के मारने के बाद बोलेरो गाड़ी अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई, जिससे बोलेरो के एयर बैग भी खुल गए। बोलेरो गाड़ी का ड्राइवर मौके पर ही गाड़ी छोड़कर फरार हो गया।

मृतक बाबूलाल

मृतक पवन

इकलौता बेटा था

मृतक भतीजा 12वीं कक्षा में पढ़ता था तथा उसकी माता बाला देवी दिव्यांग है। उसके पिता भी बीमार रहते हैं। वह उनका इकलौता बेटा था। अब उसके चले जाने से उनका बुढ़ापे का सहारा छिन गया है। वहीं मृतक बाबूलाल किसानी करता था।

साइलेंट जनरेटर में लगी आग, शिशु करने पड़े शिफ्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

गुरुवार सायं करीब साढ़े चार बजे जिला नागरिक अस्पताल में एसएनसीयू वार्ड के पीछे ट्रांसफार्मर के साथ रखे साइलेंट जनरेटर में अज्ञात कारणों से आग लग गई। आग लगने उपरांत एसएनसीयू वार्ड की बत्ती गुल हो गई तथा बिजली उपकरण बंद हो गए। इससे अचानक अफरा-तफरी मच गई। आग पर अस्पताल कर्मियों ने सिलेंडरों से फॉग मारकर उस पर काबू पाया। हालांकि सूचना मिलने पर फायर बिग्रेड की गाड़ी भी मौके पर पहुंची।

जानकारी मुताबिक नागरिक अस्पताल नए बच्चों खासकर समय (नौ महीने) से पहले सात या आठ महीने में ही जन्म लेने बच्चों को भर्ती कर उन्हें उपचार प्रदान करने के लिए एसएनसीयू वार्ड बनाया गया है। गुरुवार सायं को करीब साढ़े चार बजे इस वार्ड के साथ लगे बिजली के ट्रांसफार्मर के समीप ही रखे साइलेंट जरनेटर में अचानक आग लग गई। आग लगने से अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई। आग लगने पर फायर ब्रिगेड को सूचना दी तथा अस्पताल के ही कर्मचारियों ने फॉयर ब्रिगेड आने से पहले सूझबूझ का परिचय देते हुए आग पर काबू पाने का प्रयास किया। कर्मचारियों ने सूझबूझ के साथ-साथ हिम्मत और साहस का परिचय देते हुए अस्पताल में रखे आग बुझाने वाले फायर सेफ्टी सिस्टम का उपयोग लिया और देखते ही देखते आग पर काबू पा लिया। जब मौके पर फायर ब्रिगेड पहुंची, तब तक उस पर लगभग काबू पाया जा चुका था। रही-सही कसर फायर कर्मियों ने पूरी कर दी तथा उस पर पूर्ण रूप से काबू पाया इससे अस्पताल प्रशासन एवं स्टाफ ने राहत की सांस ली।

नारनौल। साइलेंट जनरेटर, जिसमें आग लगी। फोटो: हरिभूमि

तीन-चार बच्चों को किया शिफ्ट

आग लगने उपरांत एसएनसीयू वार्ड की बिजली आपूर्ति पूरी तरह से बंद हो गई तथा उसमें अंधेरा छा गया। इसके चलते वहां से जरूरत वाले तीन या चार बच्चों को एनआरसी वार्ड में शिफ्ट किया गया। घटना के वक्त इस वार्ड में लगभग 14 बच्चे एडमिट थे।

यह बोली एसएनसीयू इंचार्ज

एसएनसीयू की इंचार्ज डा. निधि राव ने बताया कि सांयकाल को अचानक जनरेटर में आग लग गई थी, जिस कारण इस वार्ड की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। इस कारण जरूरत वाले तीन या चार बच्चों को यहां से एनआरसी वार्ड में शिफ्ट किया जा रहा है।

विशेषः अंबेडकर जयंती, 14 अप्रैल

डॉ. भीमराव अंबेडकर देश-समाज को दी नई दिशा

प्रेरणास्रोत
अलका जैन 'आराधना'

बच्चो, भारत के संविधान निर्माता और देश के पहले कानून मंत्री डॉ. भीमराव अंबेडकर का शुरुआती जीवन बहुत ही संघर्षपूर्ण था। उनका जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के एक छोटे से कस्बे महू में हुआ था। उनका परिवार ऐसी जाति से संबंधित था, जिसे उस समय समाज में अछूत माना जाता था। इस सामाजिक भेद-भाव का अनुभव उन्होंने अपने बचपन से लेकर युवावस्था तक कई बार किया।

जब नहीं पीने दिया गया पानी: बचपन में जब भीमराव स्कूल में पढ़ते थे, एक बार उन्हें प्यास लगी। जब वे स्कूल में रखी पानी की हांडी से पानी पीने लगे तो वहां के अध्यापक ने उन्हें डांटते हुए कहा, 'तुम इस हांडी का पानी नहीं पी सकते, ये तुम्हारी जाति वालों के लिए नहीं है।' भीमराव शांत खड़े रहे। इस घटना से वे बहुत दुःखी हुए। उन्होंने इस प्रकार के भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाने का दृढ़ संकल्प लिया, 'एक दिन मैं ऐसा समाज बनाऊंगा, जहां किसी को उसकी जाति के कारण पानी पीने से नहीं रोका जाएगा।'

बड़े होने के बाद भी भीमराव, बचपन में लिया गया अपना संकल्प नहीं भूले। उन्होंने 1927 में महाड़ नाम के स्थान पर एक आंदोलन शुरू किया। वहां एक तालाब था, जो सिर्फ ऊंची जाति वाले लोगों के लिए खुला था। अंबेडकर ने उन दिनों मानी जाने वाली निम्न जाति के अपने हजारों साथियों के साथ जाकर उस तालाब से पानी पिया। उन्होंने समाज को संदेश दिया- 'पानी सबका है, इज्जत सबकी है।' इस आंदोलन ने पूरे देश में उन्हें प्रसिद्ध कर दिया।

संविधान में दिया समानता का अधिकार: जब भारत आजाद हुआ तो देश को अच्छी तरह चलाने के लिए संविधान तैयार करने की जिम्मेदारी भीमराव अंबेडकर और कुछ अन्य विद्वानों को दी गई। उन्होंने ऐसा संविधान बनाया, जिसमें सभी नागरिकों को समान अधिकार मिले, चाहे वे किसी भी जाति, धर्म, भाषा या क्षेत्र के हों। उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि शिक्षा, नौकरी और न्याय में पिछड़े वर्गों को आरक्षण मिले ताकि वे बराबरी से आगे बढ़ सकें। इस तरह उन्होंने हमारे देश और समाज को एक नई दिशा दिखाई।

लें यह संकल्प: बच्चो, बाबा साहब की जयंती पर हम यह संकल्प ले सकते हैं कि कभी भी किसी को उसकी जाति, धर्म या रंग के आधार पर उपेक्षा या अपमानित नहीं करेंगे। हम सबको बराबरी का दर्जा देंगे। यही बाबा साहब के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। *

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

दुनिया का काम

बच्चो, एक छोटी सी चित्रात्मक कहानी की किताब 'दुनिया का काम', कुछ समय पहले छपकर आई है। इसमें एक मक्खी, एक मुर्गा, एक कुत्ता और एक कौए की कहानी है। इन चारों को लगता है कि ये इंसान की अलग-अलग तरीके से मदद करते हैं। जैसे, मुर्गे को लगता है कि रोज सुबह उसके बांग देने से ही लोगों की नींद खुलती है, उन्हें सुबह होने का पता चलता है। इसी तरह कौए को लगता है कि जब वह किसी घर की मुंडेर पर बैठकर 'कांव-कांव' करता है, तभी उस घर के लोगों को पता चलता है कि कोई मेहमान आने वाला है। इतनी मदद करने के बावजूद इंसान उनकी मदद का महत्व नहीं समझते हैं। इससे नाराज होकर चारों अपना काम बंद कर देते हैं। फिर क्या होता है, जानने के लिए यह किताब तुम्हें पढ़नी होगी। *

किताब: दुनिया का काम, **लेखक:** अखिलेश श्रीवास्तव चमन,
मूल्य: 150 रुपए, **प्रकाशक:** लिटिल बर्ड पब्लिकेशंस, नई दिल्ली

रोचक / अभिव्यक्ति त्रिवेदी

भारत के अजब-अनूठे गांव

बच्चो, भारत को गांवों का देश कहा जाता है। यहां करीब 6.65 लाख गांव हैं। इन गांवों की अपनी अलग-अलग खूबियां हैं, लेकिन कुछ गांव तो बहुत ज्यादा ही अनूठे हैं। यहां जाने पर ऐसे नजारे दिखते हैं, जिन्हें देखकर बहुत ज्यादा अचरज होता है। अपनी अनोखी विशेषताओं के कारण ये गांव, पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन गए हैं। जानो, किन विशेषताओं के कारण ये गांव अजब-अनूठे कहलाते हैं।

मावलिननॉन्गः एशिया का सबसे स्वच्छ गांव

मावलिननॉन्ग नामक गांव, मेघालय राज्य में स्थित है। इस गांव का आकर्षण है-चमचमाती पक्की सड़कें, रोशनी से चकाचौंध गलियां। मावलिननॉन्ग में सफाई ऐसी रहती है कि दूर-दूर तक पेड़ों से गिरे पत्ते तक नजर नहीं आते हैं। कहते हैं कि एक समय मावलिननॉन्ग महामारियों की चपेट में आ गया था। यहां के लोगों ने अच्छे स्वास्थ्य और व्यवस्थित जीवन के लिए स्वच्छता का महत्व समझा। साफ-सफाई को अपनाकर अपनी किस्मत खुद बदली और अपने गांव को एक आदर्श गांव के रूप में स्थापित किया। यह गांव 2003 से लगातार एशिया महाद्वीप का सबसे 'स्वच्छ ग्राम' चुना जा रहा है। *

जबूरः गुजरात में बसा 'मिनी अफ्रीका'

भारत में गुजरात के 'गिर' के जंगलों के बीच बसा है जबूर गांव। इसे 'गुजरात का अफ्रीका', 'भारत का अफ्रीका' या 'मिनी अफ्रीका' भी कहा जाता है। यहां एक खास आदिवासी जनजाति 'सिद्दी' निवास करती है, जो मूल रूप से अफ्रीका के बनतु समुदाय से संबंध रखती है। अफ्रीकी रीति-रिवाज की छाप छोड़ता यह गांव हमेशा से लोगों के आकर्षण का केंद्र रहा है। गुजरात में 'गिर' जंगल को देखने आने वाले लोग जबूर गांव को देखना नहीं भूलते। *

गुलावटः यहां होती है कमल के फूलों की खेती

मध्य प्रदेश के इंदौर शहर से करीब 20 किलोमीटर दूर स्थित है गुलावट गांव। इसे 'लोटस वैली' के नाम से भी जाना जाता है। यह गांव करीब 300 एकड़ क्षेत्र में फैला है। गांव के लगभग 300 किसान कमल के फूलों की खेती करते हैं। मई-जून में जब इस क्षेत्र में पानी नहीं होता है, तब कमल के बीज रोपे जाते हैं। यहां पैदा होने वाले कमल के फूल इंदौर के साथ दिल्ली और अन्य महानगरों में सप्लाई किए जाते हैं। 'लोटस वैली' इंदौर का एक बहुत ही प्रसिद्ध पर्यटन स्थल बन चुका है। यहां धार्मिक स्थलों के दर्शन के अलावा घुड़सवारी, बोटिंग, साइकिलिंग, ओपन जीप में साइट व्यू जैसी एक्टिविटीज का मजा लिया जा सकता है। *

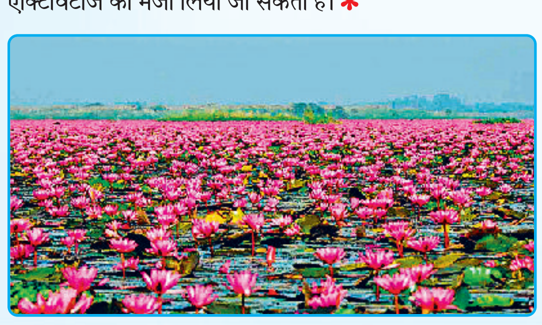

डोंगः जहां सबसे पहले निकलता है सूरज

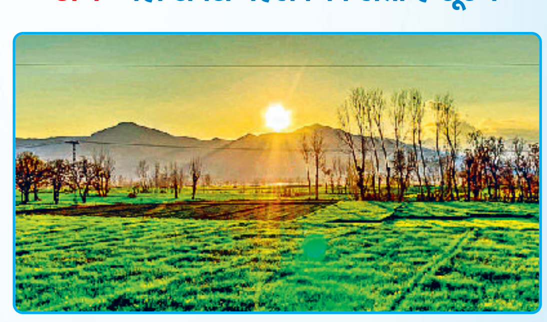

डोंग गांव को 'भारत का पहला सूर्योदय स्थल' कहा जाता है। यहां सुबह 3 से 4 बजे के बीच ही सूरज निकल आता है। यह गांव अरुणाचल प्रदेश के अंजॉ जिले में स्थित है। यह गांव चीन और म्यांमार के बीच समुद्र तल से करीब 1240 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। इस गांव में दिन-रात का चक्र, देश के बाकी राज्यों से कुछ अलग है। बच्चो, तुम्हें जानकर आश्चर्य होगा कि यहां शाम 4 बजे ही अंधेरा हो जाता है। सूर्योदय और सूर्यास्त की अपनी इन्हीं विशेषताओं के कारण देश-विदेश से पर्यटक इस गांव की सैर करने आते हैं। नए साल पर तो देश के विभिन्न स्थानों से लोग यहां सूरज की पहली किरण देखने आते हैं। *

विशेषः बैसाखी, 13 अप्रैल

उमंग-उल्लास का त्योहार बैसाखी

पर्व
विनय कुमार पाठक

बच्चो, हमारे देश में अनेक त्योहार मनाए जाते हैं। कुछ त्योहार ऐसे हैं, जो पूरे देश में मनाए जाते हैं, तो कुछ त्योहार ऐसे हैं, जो किसी विशेष प्रांत में या कुछ प्रांतों में मनाए जाते हैं। कुछ पर्व अलग-अलग राज्य में अलग-अलग नाम से जाने जाते हैं, जिन्हें मनाने का तरीका भी थोड़ा अलग हो सकता है। ऐसा ही एक अनूठा पर्व है बैसाखी, जिसे मुख्य रूप से पंजाब और उसके आस-पास के इलाकों में मनाते हैं।

फसल तैयार होने की खुशीः बैसाखी पर्व, मुख्य रूप से फसल तैयार होने की खुशी को प्रकट करने से जुड़ा हुआ है। मार्च के अंत से लेकर अप्रैल माह में जब रबी की फसल (गेहूं, जौ, सरसों, चना आदि) तैयार हो जाती है तो किसान उसकी खुशी को प्रकट करने के लिए बैसाखी पर्व मनाते हैं।

खालसा पंथ की हुई स्थापनाः बैसाखी सिख धर्म के लोगों का बहुत ही महत्वपूर्ण त्योहार है। सिख धर्म में यह पर्व नए साल का प्रतीक भी माना जाता है। इसी दिन सिखों के दसवें गुरु, गुरु गोविंद सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना की थी। इस अवसर पर गुरुद्वारों में विशेष पूजा की जाती है, जुलूस भी निकाला जाता है। लंगर का भी आयोजन किया जाता है, जिसमें हर धर्म और वर्ग के लोगों को भोजन कराया जाता है। इस अवसर पर अपनी खुशी उमंग को प्रकट करने के लिए लोग पारंपरिक लोकनृत्य भांगड़ा और गिद्दा भी करते हैं। इसमें बच्चे भी बड़े उत्साह से हिस्सा लेते हैं।

हिंदी महीने वैशाख से भी संबंधितः तुम्हें हिंदी कैलेंडर के महीनों के नाम (चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ, आसाढ़, श्रावण, भाद्रपद, आश्विन, कार्तिक, अग्रहण, पौष, मार्गशीर्ष, फाल्गुन) तो याद होंगे ही। इनके बारे में हम इसलिए बता रहे हैं, क्योंकि बैसाखी का संबंध हिंदी कैलेंडर के एक महीने वैशाख से भी संबंधित है। जिस तरह आम बोलचाल में ज्येष्ठ को जेठ, श्रावण को सावन, भाद्रपद को भादो और मार्गशीर्ष को माघ कहते हैं। उसी तरह वैशाख को बैसाख भी कहते हैं। बैसाख माह की पहली तिथि को मनाए जाने के कारण इस पर्व को बैसाखी नाम दिया गया है।

हर प्रांत में अलग नामः बैसाखी पर्व, पंजाब के साथ-साथ कई अन्य प्रांतों में भी मनाया जाता है। असम में इसे बीहू, बंगाल में पोइला बैसाख, तमिलनाडु में पुथंडु, केरल में विशु के नाम से मनाते हैं। असम में इसे रोंगाली विहु या वैशाख विहु के नाम से भी जानते हैं। जो नव वर्ष का पहला दिन होता है। इस पर्व को मनाने का उद्देश्य होता है, ईश्वर को अच्छी फसल देने के लिए धन्यवाद देना। *

पहेलियां / हर्ष रमेश

बच्चो, नीचे दी गई प्रत्येक पहेली में किसी शहर का नाम छिपा है। इनके नाम बताओ-

1. ऋषि है पर तप नहीं करता
केश लगाकर आगे बढ़ता।

2. कान है पर सुन नहीं सकता
पुर की पूंछ पकड़ कर रहता।

3. हाथ है पर करता नहीं काम
रस है पर पीता नहीं श्याम।

4. हरि है पर नहीं है देवता
द्वार पर ही हरदम रहता।

उत्तर: 1.ऋषिकेश, 2.कानपुर, 3.हाथरस, 4.हरिद्वार

श्याम का गांव

श्याम बहुत ही खुशी-खुशी गांव से शहर इस इरादे से आया कि यहां वह बहुत ही अच्छे से पढ़ाई करेगा। लेकिन शहर में उसने जो देखा, उसका मन खिन्न हो गया। उसे अपना गांव बहुत ज्यादा याद आने लगा। श्याम का मन शहर में क्यों खिन्न हो गया? तो क्या वह वापस अपने गांव लौट गया?

कहानी
कल्लोल चक्रवर्ती

श्याम को शहर आए दूसरा दिन है। चाचा उसे आज चिड़ियाघर ले जाने वाले हैं, लेकिन वह खुश नहीं है। गांव से आते हुए वह शहर के बारे में सोचकर बहुत खुश हो रहा था कि यहां वह अच्छे से स्कूल में पढ़कर बड़ा आदमी बनेगा। लेकिन शहर आकर उसका सारा उत्साह खत्म हो गया। श्याम यही सोच रहा था, इससे अच्छा तो उसका गांव है। शहर में चारों ओर बहुत गंदगी है। बस एक छोटे से कमरे में पिता जी और चाचा रहते हैं। इसी कमरे में खाना भी बनता है। दरवाजा खोलते ही बदबू आती है। मां दरवाजा बंद करके रोटी बनाती है। आज सुबह पास के सुलभ शौचालय से लौटने के बाद से ही श्याम का मन घिना रहा है। ऐसी जगह रहने के लिए वह गांव छोड़कर नाहक ही आ गया। श्याम को रह-रह अपनी दादी की याद आ रही है। गांव में भूरी गाय उसके बिना रोटी नहीं खाती। रोटी के इंतजार में शायद वह अब भी उसका रास्ता देख रही होगी। श्याम का बस चलता, तो अभी गांव लौट जाता। उसे बहुत जोर से रोना आ गया।

श्याम को कुछ समझ में नहीं आ रहा था कि वह अपने मन की बात किससे कहे? पिता जी से कहने की हिम्मत नहीं थी। मां बहुत देर से उसका चेहरा देख रही थी। क्या मां को पता चल गया कि उसका मन शहर में बिल्कुल नहीं लग रहा है, वह वापस जाना चाहता था? श्याम को याद आता है, शाम होते ही सारे दोस्त कभी तालाब के किनारे, तो कभी आम के बागान में खेलते हैं। यहां तो कोई दोस्त ही नहीं है। सुबह अपनी उम्र के एक लड़के से भेंट हुई। सोनू नाम था उसका। श्याम को लगा कि कम से कम खेलने के लिए एक साथी तो मिल गया। उसने उस लड़के से हंसकर कहा, 'यहां शहर में तुम कौन-कौन से खेल खेलते हो भाई?' सोनू ने उसे अजीब निगाहों से घूरा और बोला, 'मेरे पास खेलने का टाइम नहीं है। सुबह चार बजे उठकर दो मोहल्लों में अखबार बांटता हूं। पहले एक फैक्ट्री में काम करता था, लेकिन उम्र कम होने के कारण वहां से हटा दिया। अब नुक्कड़ के रामू चायवाले की दुकान पर काम करता हूं।'

श्याम उसका मुंह देखता रह गया। सोनू को जब पता चला कि श्याम शहर के स्कूल में पढ़ने के लिए गांव से आया है, तो उसे आश्चर्य हुआ। उसने श्याम को बताया, 'बस स्टैंड के पास वाले सरकारी स्कूल में मैंने कुछ दिन पढ़ाई की थी। मास्टर मारते बहुत थे। मां के बीमार होने के बाद मैंने पढ़ाई छोड़ दी।'

श्याम को देखकर आश्चर्य हुआ कि सड़क पर गायों का झुंड है। वे कूड़ों के ढेर में मुंह डाल रही थीं। उसे यह देखकर बुरा लगा। इतनी सारे गायें किसकी हैं? उसके गांव में गायें खूंटे से बंधी रहती हैं। श्याम सोचता है, 'गांव का भोलू कुत्ता यहां के कुत्तों से अच्छा है। खाना खाने के बाद जब भी वह आवाज लगाता है, भोलू उसके पास आकर पूंछ हिलाने लगता है। क्या भोलू भी उसे ढूंढ़ रहा होगा? सुबह मां गांव चली जाएगी, तो इस अंधेरे कमरे में उसे अकेले रहना पड़ेगा। कैसे रह पाएगा वह?' श्याम को यह सोचकर रोना आ रहा था। उसे पूरी रात नींद नहीं आई। उसे चिंता हुई, मां के बिना वह कैसे रह पाएगा? सुबह रोटी बनाते हुए मां ने श्याम को आवाज लगाई, 'उठ, तैयार हो जा।' पिता जी ने पूछा, 'क्यों तैयार होगा वह? मैं तुम्हें गांव छोड़कर कल आ जाऊंगा।' मां तुरंत बोली, 'मेरा बेटा यहां नहीं रह पाएगा। रात भर वह रोता रहा। गांव में ही वह पढ़ाई करेगा।' पिता जी कुछ देर मां की ओर देखते रहे। फिर धीरे-धीरे रोटी खाने लगे।

मां की बात पर श्याम को पहले विश्वास ही नहीं हुआ। मां ही तो उसे शहर में पढ़ाना चाहती थी। अब वही गांव लौटने के लिए कह रही है। मन ही मन खुश श्याम गांव जाने के लिए तैयार होने लगा। *

कविता / करुणा पांडे

गूगल दादा

गूगल दादा गूगल दादा, उत्तर हमें बता दो।
कल परीक्षा है हमारी, पाठ याद करवा दो।।
प्रश्न का उत्तर दे सकता हूं, याद तुम्हें है करना।
मैं मशीन वाला दादा हूं, याद सदा ये रखना।।
तुम भी दादा वह भी दादा, क्या अंतर है भाई।
मेरे दादा-दादी ने कई, कविता याद कराई।।
दादा-दादी हैं इंसान, भाव संस्कार भरे हैं।
जितना फीड किया मशीन में, उतना काम करे है।।
गूगल दादा गूगल दादा, तुम से कट्टी कर लेंगे।
अपनी दादी नानी की, गोदी में सर रख पढ़ लेंगे।।

मैं मशीन हूं नेट से चलता, काम करूंगा प्यार नहीं।
इस दुनिया में प्यारे बच्चो, दादी मां सा दुलार नहीं।।
मां-पापा से यही प्रार्थना, सीखो खुद और बताओ।
दया सत्य का पाठ सदा ही, दादी-नानी संग पाओ।।

सही जोड़ा बनाओ

बच्चो, यहां कुछ एनिमल्स के चित्र और उनकी परछाइयां दी गई हैं। तुमको चित्र के साथ उसकी सही परछाई का मिलान करना है।

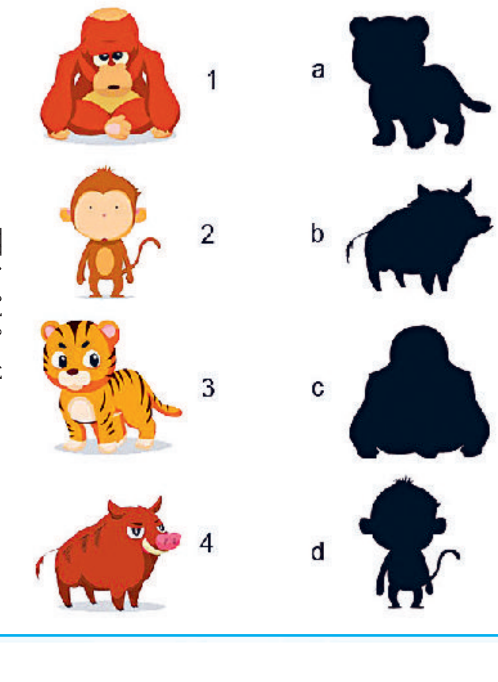

उत्तर: 1-c, 2-d, 3-a, 4-b

जीके क्विज-149

1. एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट-2025 का आयोजन किस राज्य में किया जाएगा?
2. देश के वर्तमान रक्षा मंत्री कौन हैं?
3. कौन-सा केंद्र शासित प्रदेश हरियाणा और पंजाब दो राज्यों की राजधानी भी है?
4. राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का जन्म कहां हुआ था?
5. दुनिया का सबसे बड़ा महासागर कौन-सा है?
6. भारत में सबसे पहले अंडरग्राउंड ट्रेन कहां चली थी?
7. दुनिया का सबसे छोटा देश कौन-सा है?
8. किस मुगल शासक ने फतेहपुर सीकरी की स्थापना की थी?
9. भारत की सबसे ऊंची पर्वत चोटी कौन-सी है?
10. 'मधुशाला' किसकी रचना है?

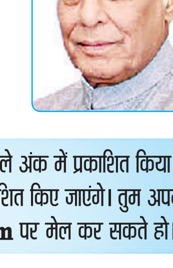

बच्चों, जीके क्विज-149 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-148 का उत्तर : 1.विनोद कुमार शुक्ल, 2.क्रिकेट, 3.नायब सिंह सैनी, 4.चाड, 5.गुरु रामदास, 6.नरेंद्र मोदी स्टेडियम, 7.प्रोपेन और ब्यूटेन, 8.सहारा मरुस्थल, 9.टोकोफेरॉल, 10. 18 अप्रैल

जीके क्विज-148 का सही उत्तर देने वाले : साकेत-दुर्ग, कबीर-हिसार, अमन-रायपुर, दीपक-बिलासपुर, कशिश-बालोद, प्रतीक-बलौदा बाजार, दिव्या-रोहतक, साकेत-महासमुंद, कमल-महेंद्रगढ़, कुणाल-रोहतक

खबर संक्षेप

नारनौल। राजकीय विद्यालय कांवी में खेल नर्सरी अलॉट होने पर खुशी मनाते खिलाड़ी। फोटो: हरिभूमि

कांवी स्कूल को फिर हुई खेल नर्सरी अलॉट

नारनौल। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कांवी में आगामी वर्ष के लिए खेल नर्सरी पुनः आवंटित कर दी गई है। विद्यालय की ओर से प्रवक्ता डा. जितेन्द्र भारद्वाज ने बताया कि विद्यालय को पिछले वर्ष पहली बार खेल नर्सरी अलॉट हुई थी। उन्होंने बताया कि प्राचार्य सुरेश कुमार व पूर्व में डीडीओ विष्णु कुमार के मार्गदर्शन तथा शारीरिक प्रशिक्षक डीपीई अखिलेश तंवर के प्रशिक्षण में पिछले सत्र में विद्यालय खेल नर्सरी से 11 खिलाड़ियों ने जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लिया।डीपीई अखिलेश तंवर ने बताया कि विद्यालय को पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी पुनः खेल नर्सरी अलॉट होने पर सभी खिलाड़ियों में खुशी की लहर है।

पूर्व पार्षद शकुंतला यादव के निधन पर जताया शोक

नारनौल। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश सचिव स्वर्गीय बिक्रम सिंह यादव की पत्नी पूर्व पार्षद शकुन्तला यादव का निधन हो गया। रेवाड़ी रोड स्थित स्वर्ग आश्रम में उनका अंतिम संस्कार किया गया। वे पिछले कुछ महीनों से बीमार चल रही थी।

उन्होंने हमेंशा पार्टी में सक्रिय रहकर पार्टी को आगे बढ़ाने का कार्य किया। वीरवार को उनके निवास स्थान मोहल्ला पुरानी सराय में शोक सभा आयोजित की गई। जिसमें विधायक ओमप्रकाश यादव ने पुष्पांजलि अर्पित की। इसके अलावा पूर्व विधायक एवं पूर्व मंत्री डा. अभय सिंह यादव, पूर्व विधायक अटेली सीताराम यादव, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा, पूर्व जज कंज्यूमर कोर्ट बुद्धदेव यादव, पूर्व जज राकेश यादव, रामअवतार यादव एडवोकेट, प्रदीप यादव एडवोकेट, डा. केके यादव आदि ने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

हमारा गांव नशा मुक्त के लगाए बोर्ड

ड्रग फ्री हरियाणा अभियान में जिले के नौ और गांव नशा मुक्त घोषित

युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूक करते हुए खेलकूद और पढ़ाई में अव्वल रहने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। गांव में लगाया गया ड्रग फ्री का बोर्ड। फोटो: हरिभूमि

जिले में नशे के खिलाफ चल रही मुहिम को एसपी पूजा वशिष्ठ लगातार सक्रिय कर रही हैं। इस मुहिम के तहत नशा पीड़ितों का इलाज करवाया जाता है। वहीं युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूक करते हुए खेलकूद और पढ़ाई में अव्वल रहने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। पुलिस की ओर से स्कूलों, कॉलेजों, ग्राम पंचायत में जाकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं और खेलों के माध्यम से नशे के खिलाफ जागरूक किया जा रहा है। इस कड़ी में गांव महरमपुर, जादूपुर, बदोपुर, दोचाना, सिहमा, खामपुरा व नांगल चौधरी का गांव बनिहाड़ी तथा निजामपुर के गांव मेघोत बिन्जा व धौलेड़ा को नशा मुक्त घोषित किया गया। इस अवसर पर नशा मुक्त घोषित गांवों के सरपंच, सरपंच प्रतिनिधियों, मौजिज व्यक्तियों का जिला पुलिस की ओर से धन्यवाद किया और कहा कि सभी मिलकर गांव को नशा मुक्त रखें। इस मौके पर गांव के सरपंच, गणमान्य नागरिक, पुलिस अधिकारी व अभियान से जुड़े स्वयंसेवक उपस्थित थे।

ड्रग फ्री हरियाणा अभियान के तहत जिले को नशा मुक्त बनाने की दिशा में संयुक्त प्रयासों से जिले के नौ और गांवों को नशा मुक्त घोषित किया गया है। इस दौरान गांवों के निवासियों को कहा कि यह सफलता सामूहिक प्रयासों व नशे के खिलाफ जागरूकता का परिणाम है।

पुलिस विभाग की ओर से जिले में नशाखोरी के खिलाफ एक सघन अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत जागरूकता कार्यक्रम, सेमिनार व परामर्श सत्र आयोजित किए गए। जिनमें ग्रामीणों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। पुलिस विभाग नशा तस्करों के खिलाफ अपनी कार्रवाई जारी रखेगा। नशा मुक्त घोषित किए गए प्रत्येक गांव में हमारा गांव नशा मुक्त के बोर्ड लगाए गए।

लोगों ने मिलकर लड़ी नशे के खिलाफ लड़ाई

इस अवसर पर गांवों के सरपंचों ने कहा कि गांव के लोगों ने मिलकर यह लड़ाई लड़ी है। युवाओं को नशे से दूर रखकर उनके बेहतर भविष्य के लिए नशे को समाज से खत्म करना जरूरी है। अन्य सरपंचों व ग्रामीणों ने भी इसी तरह के विचार व्यक्त किए और इस अभियान को सफल बनाने में अपना पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।

नशा बेचने वालों की सूचना दें

इस दौरान ग्रामीणों से कहा कि नशा बेचने वालों की सूचना पुलिस को दें। हम सब मिलकर ही नशे के खिलाफ लड़ाई लड़ सकते हैं। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में सभी ग्राम पंचायतें, सामाजिक संस्थाएं व युवा अपनी अग्रणी भूमिका निभाएं, ताकि समाज को नशा मुक्त किया जा सके।

नांगल चौधरी। एशियन खेलों में गोल्ड मेडल विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करते चेयरमैन दयाराम यादव। फोटो: हरिभूमि

एशियन खेलों में गोल्ड मेडल विजेता खिलाड़ियों का अभिनंदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

सरस्वती पब्लिक स्कूल भोजावास में प्रतिभावान खिलाड़ियों का अभिनंदन समारोह प्राचार्य राजेश कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। जिसमें भूटान में आयोजित एशियन खेलों में गोल्ड मेडल विजेता विद्यार्थियों को संस्था के चेयरमैन दयाराम यादव पुरस्कार वितरित किए। कार्यक्रम में वाइस चेयरमैन प्रेम देवी, प्रबंधक निदेशक अमित यादव मुख्य रूप से मौजूद रहे।

खेलों को बढ़ावा देने के मकसद से सरकार ने शैक्षणिक संस्थान, पंचायत तथा अन्य विभागों के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं निर्धारित की हैं, क्योंकि खेलों से शारीरिक विकास होने के साथ सामाजिक संबंध मजबूत होते हैं, स्मरण शक्ति बढ़ने से युवाओं को परीक्षा परिणाम बेहतर मिलते हैं। इसलिए स्कूल में करीब दो एकड़ रकबे पर खेल ग्राउंड तैयार किया गया है। इसके अलावा कबड्डी, वॉलीबॉल, फुटबॉल, रेस, क्रिकेट, भारोत्तलन, कराटे व अन्य कोर्ट निर्धारित किए हैं। जहां विभिन्न कक्षाओं को खेल पीरियड में खिलाया जाता है। साथ ही सुबह योगासन कराने के बाद विद्यार्थियों को समाचार पत्रों में पब्लिश देश व विदेशों के घटनाक्रम से अवगत कराया जाता है। जिससे बच्चों में सामान्य ज्ञान विकसित होगा व प्रतियोगिक परीक्षाओं को पास करने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि स्कूल में सांस्कृतिक, खेलकूद, कलात्मक गतिविधियों का शेड्यूल बनाया गया है। जिससे विद्यार्थियों की तार्किक क्षमता विकसित होने के साथ आत्मिक विश्वास मजबूत हो सकेगा।

विजय इंटरनेशनल स्कूल के चार विद्यार्थियों ने भूटान में आयोजित प्रतियोगिता में लिया हिस्सा

- तीन विद्यार्थियों ने गोल्ड मेडल तथा एक विद्यार्थी ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। विद्यार्थियों का स्वागत करते विद्यार्थी एवं शिक्षक। फोटो: हरिभूमि

गांव बलाना स्थित विजय इंटरनेशनल स्कूल के चार विद्यार्थियों ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए भूटान में आयोजित 10 वीं दक्षिण एशिया टेकेन अबेक स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में भाग लेकर जिले व अपने स्कूल का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में स्कूल के तीन विद्यार्थियों ने गोल्ड मेडल तथा एक विद्यार्थी ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया। पदक विजेता खिलाड़ियों के महेंद्रगढ़ पहुंचने पर विधायक कंवर सिंह ने स्वागत किया तथा आगे भी इसी प्रकार की मेहनत करके अपने क्षेत्र व देश का नाम रोशन करने का आशीर्वाद दिया। पदक विजेता खिलाड़ियों को रेलवे स्टेशन से स्कूल परिसर तक सभी बच्चों को गाजे बाजे के साथ लाया गया। स्कूल परिसर में पहुंचने पर विद्यालय संरक्षक महेंद्र सिंह ने सभी विजेता खिलाड़ियों तथा उनके परिजनों का स्वागत करते हुए उन्हें आगामी भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। विद्यालय के चेयरमैन विजय यादव टूमना ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि अयान, वंशिका तथा रिहान ने गोल्ड मैडल प्राप्त किया तथा अनिकेत ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया। इस सफलता का मुख्य श्रेय बच्चों की मेहनत, कोच के मार्गदर्शन व परिवारजनों के सहयोग को दिया। उन्होंने कहा कि हमारा विद्यालय बच्चों के सर्वांगीण विकाश पर ध्यान देता है और उनको हर क्षेत्र में आगे ले जाने के लिए पूरी मेहनत करता है। प्रिंसिपल नत्थू सिंह ने बताया कि हमारा विद्यालय गत वर्ष से हर क्षेत्र में अपने विद्यालय तथा सम्पूर्ण देश का नाम देश विदेश में रोशन कर रहा है।

21 हजार रुपये की कुश्ती सुमित पहलवान मोकलवास ने जीती

बाबा रूपा दास जी महाराज के मेले में हुई अनेक खेल प्रतियोगिताएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

मंडी अटेली। छापड़ा सलीमपुर में पहलवानों के हाथ मिलाते हुए मेला कमेटी सदस्य।

गांव छापड़ा सलीमपुर में बाबा रूपा दास जी महाराज के मेले में अनेक खेल प्रतियोगिता हुई। मेले में बाबा का भंडारा, जागरण व खेल प्रतियोगिताएं हुई। मेला कमेटी प्रधान रामसिंह ने बताया कि मेले में कबड्डी की प्रतियोगिता देर रात्रि तक चली, लेकिन मौसम खराब होने पर अंतिम चार टीमों को पुरस्कृत किया गया। क्रिकेट में प्रथम नीरपुर रही, जिसे 11 हजार व द्वितीय छापड़ा सलीमपुर को 7100 रुपये का पुरस्कार दिया गया।

मेले में रेफरी के रूप में कोच जोन सिंह, विनय गणियार, मनोज मोहनपुर व विक्रम सिंह ने अविस्मरणीय निर्णय दिए। 21 हजार रुपये की कुश्ती सुमित मोकलवास गुर्जर ने हरीश बाघोत को हरा कर जीती। वहीं 11 हजार रुपये की कुश्ती अंकित तिरपुडी व 71 सौ की अंकुर मोकलवास के पहलवान ने जीती। रात्रि को जयवीर भाटी द्वारा बाबा की महिमा का गुणगान किया गया। इसके अलावा सुरेंद्र भाटी, नरेश जागर, मनु तंवर ने अपनी प्रस्तुतियां देकर ऐसा समां बांधा कि झूमने पर मजबूर कर दिया।

मेला कमेटी के सदस्य प्रधान रामसिंह, पूर्व सरपंच राजेंद्र सिंह, पूर्व सरपंच दलीप सिंह, ओमप्रकाश खनगवाल, सरपंच एकता यादव, सरपंच प्रतिनिधि सिंहराज, नित्यानंद, रामचंद्र, उदयभान, मुख्यतार सिंह, जगबीर, उदयभान, मैनपाल, गुगनराम व कृष्ण फौजी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

टैगोर स्कूल में परीक्षा परिणाम जारी, पीटीएम आयोजित

- सह अभिभावक शिक्षक बैठक (पीटीएम) का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

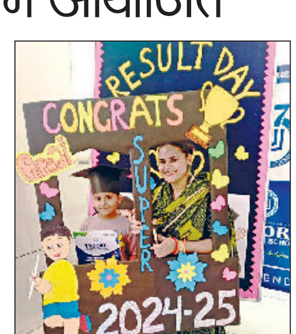

महेंद्रगढ़। सराहनीय परीक्षा परिणाम आने पर खुशी मनाते स्कूल के विद्यार्थी।

टैगोर सीनियर सेकेंडरी स्कूल महेंद्रगढ़ में परीक्षा परिणाम जारी किया गया। इस अवसर पर सह अभिभावक शिक्षक बैठक (पीटीएम) का आयोजन किया गया। उपरोक्त जानकारी देते हुए विद्यालय के मीडिया प्रभारी मनीष यादव ने बताया कि स्कूल की दोनों पारियों के हिसाब से आयोजित बैठक में जहां अभिभावकों ने शिक्षकों से बच्चों की पढ़ाई के बारे में जाना।

वहीं शिक्षकों ने भी वार्षिक परिणाम के साथ प्रत्येक विषय के अंकों के बारे में अवगत कराया व घर पर बच्चों का ध्यान रखने संबंधी सुझाव भी अभिभावकों को दिए। स्कूल के प्रिंसिपल वीरेंद्र सिंह ने बताया कि बैठक में अभिभावक अपने बच्चों की पढ़ाई और व्यवहार के प्रति उत्सुक नजर आए। उन्होंने कहा कि नया सेशन शुरू करने से पहले अभिभावक शिक्षक बैठक आयोजित करने का सीधा फायदा बच्चों को मिलेगा और उनके अगले परीक्षा परिणाम में सुधार होगा। इस अवसर पर विद्यालय के मैनेजिंग डायरेक्टर राहुल यादव व सीईओ डॉ निशा यादव ने इस कार्यक्रम के सफल आयोजन करने पर समस्त स्टाफ व अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

सिहमा व खामपुरा को किया नशा मुक्त घोषित

- दोनों गांवों में ग्राम पंचायतों की ओर से नशा मुक्त गांव होने का बोर्ड लगाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

मंडी अटेली। सिहमा नशा मुक्त करने के लिए बोर्ड लगाती पुलिस। फोटो: हरिभूमि

जिला पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ द्वारा चलाए जा रहे मेरा गांव-नशा मुक्त गांव मुहिम रंग ला रही है। इस मुहिम के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। पुलिस की ओर से सिहमा व खामपुरा नशा मुक्त घोषित किया गया। इन दोनों गांवों में ग्राम पंचायतों की ओर से नशा मुक्त गांव होने का बोर्ड भी लगाया गया है। वीरवार को नारनौल सदर पुलिस प्रभारी सब इंस्पेक्टर धर्मबीर सिंह व फैजाबाद पुलिस चौकी प्रभारी सब इंस्पेक्टर पवन कुमार ने बताया कि नशा मुक्त अभियान में सरंपच और मौजिज लोग मौजूद रहे।

सभी गांव के प्रतिनिधियों ने विश्वास दिलाया कि हम इस मुहिम में साथ है और गांव के प्रत्येक नागरिक को जागरूक करेंगे। हमारा लक्ष्य केवल कानून व्यवस्था बनाए रखना नहीं है, बल्कि समाज में नशे के खिलाफ एक नई सोच विकसित करना भी है। हर नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह नशे से दूर रहे और यदि किसी परिचित को इस लत का सामना करना पड़ रहा है तो उसे सही रास्ता दिखाने में मदद करें। अगर आप या आपके आसपास कोई नशे की लत से ग्रस्त है तो आप मित्र बनकर उनकी मदद कर सकते हैं। उनसे बात करें व दर्द को समझें। इससे न केवल उनकी हिम्मत बढ़ेगी, बल्कि वे नशे से मुक्ति पाने के लिए प्रेरित भी होंगे। इस मौके पर सिहमा की सरपंच सुमन देवी और खामपुरा की सरपंच प्रियंका देवी ने बताया किनशे से शरीर पर दुष्प्रभाव पड़ता है।

नशा हमारे समाज के लिए एक बड़ी समस्या है, जिसे एक दूसरे के सहयोग से समाप्त किया जा सकता है। उन्होंने हरियाणा पुलिस द्वारा इस दिशा में किए गए कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया। नशा हमारे समाज के लिए एक अभिशाप है। यह विशेषकर युवाओं के लिए एक बड़ी समस्या है, जिसका शिकार होकर वे स्वयं के जीवन को विनाश के कगार पर ले जाते है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वे नशे से न केवल स्वयं को दूर रखें, बल्कि अन्य लोगों को भी इससे दूर रखने के लिए प्रेरित करें।

महेंद्रगढ़। ओलपिंयाड के पदक विजेता विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

देवयानी बेवल के बच्चों ने प्राप्त किए गोल्ड मेडल व सर्टिफिकेट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

गांव बेवल स्थित देवयानी इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने इंटरनेशनल ओलिंपियाड के घोषित परिणाम में 37 बच्चों ने बेहतरीन रैंक के साथ नया कीर्तिमान स्थापित किया है। स्कूल की आठवीं कक्षा से कुमार प्रणव ने 28वीं रैंक, पांचवी कक्षा से कुणाल धतरवाल ने रिजनिंग विषय में 28वीं रैंक, राजश्री ने 42वीं रैंक, यश यादव ने 44वीं रैंक, यशवर्धन ने 71वीं रैंक, युवान वरिष्ठ ने 104वीं रैंक, अर्पित यादव ने 120वीं रैंक, शिवांश यादव ने 190वीं रैंक, साधना ने 192वीं रैंक, कर्ण यादव, दीपांशु, दक्ष, लक्ष्य, आनन्या, कुणाल धतरवाल, दीपांशु यादव, मुस्कान चौधरी, श्वेता, हेमा यादव, सानिया धतरवाल, कुणाल यादव, अरमान, निखिल, दीपांशु कुमार, रोहन राव, दीप्ती यादव ने बेहतरीन रैंक के साथ क्वालीफाई किया। इस अवसर पर विद्यालय में कार्यक्रम आयोजित पदक विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

जन्म कल्याण महोत्सव भगवान महावीर का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा है: कमलेश सैनी

सलम एरिया टैलेंट के छात्रों के साथ मनाया भगवान महावीर जन्मोत्सव

चेयरपर्सन कमलेश सैनी ने किया कार्यक्रम का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। कार्यक्रम में बच्चों के साथ अतिथिगण। फोटो: हरिभूमि

श्री कृपा सेवा समिति के सौजन्य से शहर के इंदिरा कॉलोनी स्थित सलम एरिया टैलेंट के छात्रों के साथ पुस्तक वितरण करके जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर का जन्म कल्याण महोत्सव मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नगर परिषद की चेयरपर्सन कमलेश सैनी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि पूर्व वरिष्ठ भू वैज्ञानिक व वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता वासुदेव यादव थे। अध्यक्षता सुरेंद्र जैन पूर्व प्रवक्ता भाजपा ने की। मंच का संचालन स्लम एरिया टैलेंट की छात्रा रीना ने

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर मुख्य अतिथि कमलेश सैनी ने कहा कि सलम एरिया टैलेंट संस्था एक बहुत ही सुंदर कार्य कर रही है, जो की निःशुल्क छात्रों को पढ़ाई के साथ साथ अनेक गतिविधियों में शामिल होते हैं। यह पावन दिन देशभर के जैन श्रद्धालु प्रार्थना और दान के माध्यम से भगवान महावीर को याद करते हैं। यह पर्व भगवान महावीर के तीन मुख्य सिद्धांतों अहिंसा, सत्य और करुणा का प्रतीक है। विशिष्ट अतिथि वासुदेव यादव ने कहा कि यह पर्व जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर के जन्मोत्सव की स्मृति में मनाया जाता है। सुरेन्द्र जैन ने कहा कि भगवान महावीर जैन धर्म के 24 तीर्थंकरों में से आखिरी तीर्थंकर थे। जिन्होंने जैन धर्म के मूल सिद्धांतों की स्थापना की थी। भगवान महावीर का जन्म चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि को हुआ था। बहुत ही कम उम्र में उन्होंने मोह माया को त्याग कर सन्यासी का जीवन अपना लिया था। उन्होंने अपने संदेशों से कई लोगों का जीवन बदला। वह लोगों को अहिंसा और सत्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते थे। इस मौके पर शिवकुमार मित्तल, हिमांशु सैनी, हनी गुप्ता, अतर सिंह, मनीषा आदि मौजूद थे।

नारनौल। स्वच्छता अभियान चलाते टीम सदस्य। फोटो: हरिभूमि

टीम ममाज ने चलाया स्वच्छता अभियान

नारनौल। टीम ममाज खासपुर ने डा. जयकृष्ण आभीर के मार्गदर्शन में गांव खासपुर के श्री शनि शक्ति धाम परिसर में स्वच्छता व सौंदर्यीकरण का कार्य कर एक अनुकरणीय पहल की। इस अभियान का नेतृत्व दीपक यादव व नितेश यादव ने किया। जिनकी अगुवाई में दर्जनों युवाओं व बच्चों ने श्रमदान करते हुए मंदिर परिसर से घास फूस, झाड़ियां और कचरा हटाया। बच्चों ने हाथों में कुदाल व तगारी लेकर पूरे जोश के साथ सफाई कार्य में भाग लिया। सचिन रोहिल्ला कहा कि जब युवा अपने गांव की सेवा को धर्म मान लेते हैं, तब असली विकास शुरू होता है। टीम ममाज खासपुर के सदस्यों ने न केवल मंदिर परिसर की सफाई की, बल्कि उन्होंने मंदिर के आसपास के क्षेत्रों में भी स्वच्छता अभियान चलाया। इस टीम ने युवाओं को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने और सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया है। इस कार्य में योगराज, अनुज, केशव, तनुज, दीपांशु, उमेश, प्रवेश, नितेश, आर्यन, दीपक, हरवित, अंकुश, बजरंग, अजय आदि ने योगदान दिया।

सतनाली को मिली एथलेटिक्स व कुश्ती खेल नर्सरी

सतनाली मंडी। खेल विभाग की ओर से खेलों के प्रति रुझान बढ़ाने के उद्देश्य से खेल नर्सरियां अलॉट की गई हैं। खेल नर्सरियां शिक्षण संस्थानों एवं ग्राम पंचायतों को भी अलॉट की गई हैं। इस योजना के तहत सतनाली में एथलेटिक्स, बाबा गोसाईं व्यायामशाला सतनाली में कुश्ती व ग्राम पंचायत बास सतनाली में कबड्डी की खेल नर्सरी अलॉट की गई हैं।

NOTICE

मैं, ललित पुत्र श्री अशोक कुमार निवासी गांव नांगतिहारी, तहसील नारनौल जिला महेन्द्रगढ़ हरि0 से ब्यान करता हूं कि मैंने 10वीं की परीक्षा सीबीएसई बोर्ड से 2023 में पास की थी जिसके रोल नंबर 17197810 है। यह है कि मेरी 10वीं की मार्कशीट में मेरे पिता का नाम अशोक व माता का नाम संतोष दर्ज है। जबकि मेरे पिता का असली नाम अशोक कुमार व माता का नाम संतोष देवी है। यह है कि मेरी मार्कशीट में मेरे माता-पिता का सही नाम दर्ज किया जाये। अगर इसमें किसी प्रकार की गलती पाई गई तो उसका जिम्मेदार मैं स्वयं रहूंगा।

ब्यानकर्ता

खबर संक्षेप

सलामपुरा में मूर्ति स्थापना व जागरण आज

नारनौल। सलामपुरा युवा संगठन की ओर से हनुमान मंदिर में दो दिवसीय हनुमान जन्मोत्सव मनाया जाएगा। इस संबंध में संगठन प्रधान दौलतराम सैनी ने बताया कि दो दिवसीय इस महोत्सव में पहले दिन 11 अप्रैल को सुबह पूजा अर्चना के बाद सवा आठ बजे कलश यात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद माता शेरावाली व बाबा श्रीश्याम की मूर्ति स्थापित की जाएगी। उसी रात को सवा नौ बजे जागरण होगा। इसमें गायककार भजन के माध्यम से वातावरण भक्तिमय करेंगे। उन्होंने बताया कि अगले दिन 12 अप्रैल को हनुमान महोत्सव पर सुबह हवन के बाद शुद्ध देशी घी का भंडारा लगाया जाएगा। इस महोत्सव में मुख्य अतिथि के तौर पर भाजपा महिला जिला अध्यक्ष भारती सैनी मौजूद रहेंगी। अध्यक्षता पार्षद मनोज कुमार करेंगे।

कमानियां में हनुमान जी का भंडारा 13 को

नारनौल। 13 अप्रैल को गांव कमानियां में बाबा बाटाला धाम में विशाल भंडारा और संकीर्तन का आयोजन किया जाएगा। राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकार नरबीर बेनीवाल की पार्टी दिनभर बाबा का गुणगान करेगी। ग्रामीणों ने श्रद्धालुओं से आग्रह करते हुए बताया कि यह अद्वितीय अवसर है, जिसमें बाबा बाटाला हनुमान जी असीम कृपा करेंगे।

महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती आज

नारनौल। सामाजिक क्रांति के अग्रदूत, शिक्षा के प्रचारक, नारी सशक्तिकरण के समर्थक व समता के प्रेरणास्त्रोत महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती 11 अप्रैल को प्रातः 10:30 बजे शहर में रेवाड़ी रोड स्थित सैनी धर्मशाला में मनाई जाएगी। इस अवसर पर अवसर पर महात्मा फुले के जीवन, संघर्ष और समाज सुधार के महान कार्यों को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों को जन जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया जाएगा।

अगड़बंब जोहड़ पर सुंदरकांड पाठ आज

नांगल चौधरी। शहर के अगड़बंब जोहड़ पर स्थित हनुमान मंदिर में 11 अप्रैल को सुंदरकांड के पाठ का आयोजन होगा। संगीतमयी पाठ के दौरान श्रद्धालुओं को भगवान श्रीराम की जीवनी से अवगत कराया जाएगा तथा युवाओं को सामाजिक मर्यादाओं के लिए प्रेरित करेंगे। कार्यक्रम के संयोजक डा. ललित मोहन जोशी ने बताया कि हनुमान जयंती पर मंदिर में सुंदरकांड पाठ की परंपरा कई सालों से बनी हुई है।

भंडारा लगा किया भगवान महावीर को नमन

नारनौल। गांव रघुनाथपुरा स्थित नन्दीशाला में प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट के तत्वावधान में गो भंडारा आयोजित किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष डा. संजय शर्मा ने बताया कि वीरवार को भगवान महावीर जयंती के अवसर पर प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के प्रधान भीमसेन शर्मा व सुनीता शर्मा के सौजन्य से गायों के लिए भंडारे का आयोजन कर उन्हें सब्जियों की चाट खिलाई गई। भीमसेन शर्मा ने कहा कि मान्यताओं के अनुसार गोवंश की सेवा से सुख समृद्धि और मोक्ष की प्राप्ति होती है तथा गायों में समस्त देवी देवताओं का वास होता है।

कंपनियों में होती है खाद-बीज की पैकिंग, डीलरों पर कानूनी कार्रवाई थोपना अनुचित

विधानसभा में स्वीकृत खाद-बीज एक्ट से नाराज डीलरों की चौथे दिन भी हड़ताल रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

विधानसभा में स्वीकृत खाद बीज एक्ट से नाराज डीलरों की चौथे दिन भी हड़ताल रही। अनाज मंडी में बैठक करके सरकार विरोधी प्रदर्शन किया तथा व्यापारी विरोधी कानून को वापस लेने की गुहार लगाई है। अन्यथा प्रदेश स्तर पर अनिश्चित हड़ताल शुरू करने का अल्टीमेटम दिया है। मनोज कुमार, जितेंद्र शर्मा, मोहित कुमार, कमल शर्मा, उत्तम सिंह, धोलाराम ने बताया कि खाद बीज का उत्पादन कंपनियां करती हैं। कंपनियां ही पैकिंग करके डीलरों को सप्लाई करती हैं। जिसकी क्वालिटी की जानकारी डीलरों को नहीं होती। कंपनी की हिदायतानुसार सभी डीलर किसानों को उत्पादन संबंधी जानकारी देते हैं। बीज खराब या खाद नकली होने की जिम्मेवारी संबंधित कंपनी की ही होती है, क्योंकि वहां से विभिन्न मैटेरियल की सप्लाई बैच नंबरों के साथ सीलबंद पैकेट में हुई थी, लेकिन सरकार ने खाद बीज एक्ट में डीलरों को भी कंपनी के बराबर ही दोषी मान लिया। सैंपल में नकली खाद की पुष्टि होने पर डीलर और कंपनी संचालक के खिलाफ गैर जमानती केस दर्ज किया जाएगा।

नांगल चौधरी। खाद बीज एक्ट के विरोध में बैठक करते डीलर। फोटो : हरिभूमि

सात दिन के बाद खाद बीज विक्रेता एसोसिएशन की दोबारा बैठक होगी

आक्रोशित डीलरों ने रोहतक में प्रदेश स्तरीय बैठक की थी। जिसमें सात दिवसीय हड़ताल का निर्णय लिया था। सभी प्रतिष्ठानों को बंद हुए चार दिन बीत चुके हैं, अभी तक सरकार की तरफ से कोई जबाब नहीं मिला है। सात दिन के बाद खाद बीज विक्रेता एसोसिएशन की दुबारा बैठक होगी। जिसमें अनिश्चितकालीन हड़ताल की रूपरेखा बनेगी। इसके बाद डीलरों ने शहर में विरोध प्रदर्शन रैली निकाली है। दूसरी तरफ ज्वार व कपास बिजाई की सीजन आरंभ हो गया है, लेकिन किसानों को खाद और बीज उपलब्ध नहीं हो रहा है। जिस कारण भागदौड़ की स्थिति बनी हुई है।

खाद-बीज विधेयक के विरोध में बंद रही बीज की दुकानें

कनीना। बीज संसोधन विधेयक को लेकर के दर्जनभर बीज खाद विक्रेताओं ने विरोध जताते हुए वीरवार को चौथे दिन भी दुकानें बंद रखी। खाद बीज एसोसिएशन के प्रधान कुलदीप यादव के अलावा भूनेष कुमार, महेश बोहरा, आलोक कुमार, वीरेन, कपिल, विपिन व चंचल ने बताया कि सरकार का फैसला बीज विक्रेताओं के खिलाफ है। विक्रता तो केवल डाकिए स्वरूप कार्य करते हैं। बीज कम्पनियां उन्हें पैकेट बंद बीज उपलब्ध कराती हैं, जिसे वे किसानों तक पंहुचाते हैं। बीज की क्वालिटी का उन्हें मालुम नहीं होता है। बीज नकली या मिलावटी मिलने पर विक्रेता की बजाय कम्पनियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। खाद बीज विक्रेताओं ने पेस्टिसाइड खाद को धारा 19ए से जोड़ने का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि बीज अंकुरित न होने के अन्य कारण हो सकते हैं। बीज विक्रेताओं ने सोमवार से दुकानें बंद रखकर विधेयक का विरोध शुरू किया था, जो जारी है। दूसरी ओर प्रदेश के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा है कि इस विधेयक के लागू होने के बाद किसानों को नकली व मिलावटी बीजों से निजात मिलेगी। उन्होंने कहा कि बीज असली हैं, तो बीज निर्माता विक्रेता को भय मानने की जरूरत नहीं है।

खरीद के 72 घंटे में किसानों को किया जा रहा भुगतान

कनीना मंडी में हुई नौ हजार क्विंटल गेहूं की खरीद, उठान प्रक्रिया जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

पुरानी मंडी में गेहूं की आवक बढ़ती जा रही है। खरीद एजेंसी फूड सप्लाई की ओर से अब तक 9058 क्विंटल गेहूं की खरीद की जा चुकी है। खरीद अधिकारी ध्यान सिंह ने बताया कि मंडी में 9650 क्विंटल की आवक हो चुकी है।

उन्होंने कहा कि बारदाने व उठान की समुचित व्यवस्था की गई है। गेहूं खरीद के 72 घंटे में किसानों को भुगतान किया जा रहा है। बता दें कि हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार प्रदेश में एक अप्रैल से गेहूं की खरीद शुरू होनी थी, लेकिन मंडी में विधिवत रूप से सात अप्रैल से खरीद प्रारंभ हुई थी। मार्केट कमेटी के सचिव विजय सिंह ने बताया कि गेहूं की खरीद पुरानी आनाज मंडी में की जा रही है। जिसके लिए सभी बंदोबस्त किए गए हैं। किसान 2425 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब गेहूं बेच सकता है। इस मौके पर एएफएसओ केसर सिंह, निरीक्षक रमेश कुमार के अलावा नरेंद्र यादव, भरपूर सिंह, अशोक कुमार, रविंद्र बंसल, मंडी सुपरवाइजर सहित किसान उपस्थित थे।

कनीना। गेहूं की खरीद करते फूड सप्लाई के अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

मौसम खराब से बढ़ी परेशानी

बुधवार रात्रि तेज आंधी के साथ हुई तीन एमएम बारिश के चलते मंडी में पड़ा गेहूं गीला हो गया। टीनशेड के अभाव में प्लेटफार्म पर खुले आसमान के नीचे पड़े गेहूं को तिरपाल से ढकने का भी प्रयास किया गया, लेकिन आंधी के चलते वह टिक नहीं पाया। आंधी बारिश के चलते ग्रामीण क्षेत्र में बिजली सप्लाई गुल हो गई। वीरवार सायं पुनः अंधड चलने से खेतों में किया जा रहा कृषि कार्य प्रभावित हो गया।

कनीना मंडी में नैफेड के लिए की जा रही सरसों का लक्ष्य हुआ पूरा

कनीना। मंडी में स्टेट वेयर हाउस की ओर से एनसीसीएफ के माध्यम से नैफेड के लिए की जा रही सरसों की खरीद का लक्ष्य पूरा हो गया है। सरसों की खरीद बीती 25 मार्च से नैफेड के लिए एनसीसीएफ नेशनल को ऑपरेटिव कंज्यूमर फेडरेशन के माध्यम से शुरू की गई थी। एनसीसीएफ अधिकारी दीपक दुबे ने बताया कि 12 एमटी सरसों खरीद का लक्ष्य पूरा होने के बाद शनिवार से मंडी में व्यापारियों के माध्यम से ओपन खरीद शुरू होगी। खरीदी गई सरसों में से करीब 25 हजार क्विंटल सरसों का उठान किया जाना है। मार्केट कमेटी सचिव विजय सिंह ने बताया कि मंडी में आवक अधिक होने व सरसों के उठान कार्य के चलते 11 अप्रैल को सरसों की खरीद नहीं की जाएगी। 12 अप्रैल से व्यापारियों के माध्यम से सरसों की खरीद की जाएगी।

मंडी अटेली। अनाज मंडी में बारिश के बाद सरसों की ढेरियां। फोटो : हरिभूमि

अटेली अनाज मंडी में गेहूं की सरकारी खरीद हुई शुरू

मंडी अटेली। अटेली अनाज मंडी में गेहूं की सरकारी शुरू हो गई। सरसों की 59 हजार क्विंटल की खरीद हुई। हालांकि बारिश ने खरीद में खलल डाली। बारिश ने किसानों व आढ़तियों की समस्या बढ़ गई है। मार्केट कमेटी की ओर से सरसों व गेहूं के रखाव रखने के लिए व्यापक प्रबंध नहीं होने से सरसों व भीगने का भय बना हुआ है। सरसों खुले में रखी हुई है। हैफेड के मैनेजर रोशन लाल ने बताया कि मंडी में वीरवार को 10 हजार क्विंटल खरीद हुई है। 49 हजार क्विंटल की इससे पहले खरीद हुई थी। मंडी में 80 हजार बैग सरसों की लिफ्टिंग हो गई है, जबकि 37 हजार सरसो के बैग मंडी में ढ़ेर लगे हुए है। अनाज मंडी में लिफ्टिंग नहीं होने से मंडी में रखने की जगह नहीं होने से किसानों व आढ़तियों को काफी दिक्कत उठानी पड़ रही है। बुधवार रात्रि व बृहस्पतिवार दोपहर बाद बारिश के बाद अनाज मंडी व खेतों में सरसों व गेहूं की फसलों को नुकसान पहुंचा। हालांकि सरसों तो निकल चुकी है, लेकिन गेहूं अभी भी खेतों में लावणी के बाद निकलने का कार्य चला हुआ है।

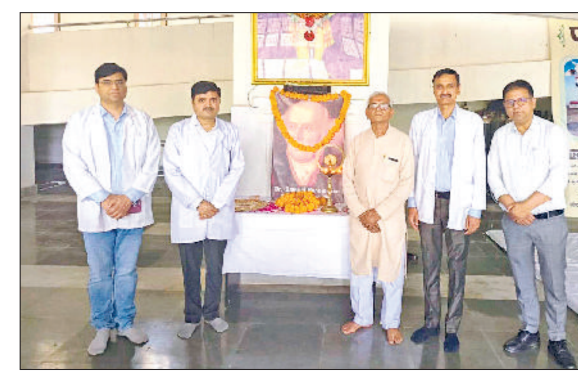

नारनौल। चिकित्सा कैम्प शुभारंभ अवसर पर मौजूद मुख्य अतिथि व चिकित्सक।

हैनीमैन के जन्म दिवस पर चिकित्सा कैम्प आयोजित

- शिविर में 180 रोगियों को मुफ्त जांच व दवाइयां वितरित की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

आयुष विभाग की ओर से डा. क्रिश्चियन फ्रेडरिक सैमुअल हैनीमैन के जन्म दिवस पर वीरवार को आयुष निदेशक डा. संगीता नेहरा के मार्गदर्शन में बाबा खेतानाथ राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज व अस्पताल पटीकरा में निःशुल्क चिकित्सा कैम्प का आयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शिक्षाविद जयप्रकाश कौशिक मौजूद थे। मुख्य अतिथि ने रोगियों व चिकित्सकों को संबोधित करते हुए कहा कि होम्योपैथी एक सरल व प्रिय पैथी है, जिसमें बहुत ही मिठास व शक्ति वाली मीठी मीठी गोलियों से सभी बीमारियों का इलाज किया जाता है, साथ ही यह बच्चों व बुजुर्गों को प्रिय है। उन्होंने अपने अस्सी वर्षों का सार, भारतीय साहित्य व आयुर्वेद को अपना कर भारत की माटी से प्रेम करने के लिए मरीजों व चिकित्सकों को प्रोत्साहित किया। प्राचार्य श्रीनिवास गुज्जरवार ने कहा कि इस पैथी का प्रचार प्रसार जर्मनी देश में अधिक हुआ है। भारत सरकार ने इसे संरक्षण दिया हुआ है। उप चिकित्सा अधीक्षक डा. पंकज कौशिक ने बताया कि शिविर में चिकित्सकों ने योग व प्राकृतिक चिकित्सा, भ्रूणहत्या, एनीमिया से बचाव, मातृत्व व शिशु पालन के बारे में परामर्श दिया तथा जड़ी बूटी की प्रदर्शनी लगाई गई। शिविर में 180 रोगियों को मुफ्त जांच व दवाइयां वितरित की। कैम्प में डा. सहदेव व डा. सोनिया ने होम्योपैथिक ओपीडी देखी। डा. जितेंद्र सुहाग ने मंच संचालन किया। प्रोफेसर स्वस्थवृत्त विभाग ने ऋतुचर्या, दिनचर्या व स्वस्थ जीवन शैली पर व्याखान दिया। इस मौके पर डा. अशोक भाटी, डा. शिवजी, डा. मालविका, डा. पंकज शर्मा, डा. मानसी, डा. मनीषा, डा. ऋतु, डा. रवीना, डा. स्वाति, डा. शशि, डा. अशोक कुमार, फार्मासिस्ट भूपेन्द्र सिंह, लैब टेक्निशियन नवीन, स्टाफ नर्स रिंकू आदि मौजूद थे।

होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति का कोई भी साइड इफेक्ट नहीं होता : डा. शशिबाला

नारनौल। जिला नागरिक अस्पताल में आयुष विभाग द्वारा विश्व होम्योपैथी दिवस पर मुफ्त होम्योपैथी कैंप का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. शशिबाला द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. शशिबाला ने होम्योपैथी से होने वाले लाभों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति का कोई भी साइड इफेक्ट नहीं होता है और इससे जुकाम से लेकर कैंसर तक को ठीक किया जा सकता है। रोगी को आयुष से अधिक से अधिक लाभ लेना चाहिए। इस अवसर पर डॉ. पुष्पेंद्र ने बताया के होम्योपैथी सभी तरह के गंभीर बीमारियों को जड़ से खत्म करती है। डॉ. अमित ने होम्योपैथी के जनक डा. हेनमैन के जीवन के बारे में बताया। डॉ. नेहा ने भी होम्योपैथी के फायदे के बारे में बताया। इस अवसर पर डॉ. इंदु अग्रवाल, राकेश, राजकुमार, ललित व संदीप आदि भी मौजूद रहे। कैंप में लगभग डेढ़ सौ लोगों को मुफ्त दवाइयां दी गई।

बेसहारा पशुओं के गले में रेडियम रिफ्लेक्टर बेल्ट लगा रही संस्था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

शिव शक्ति जनसेवा फाउंडेशन के सदस्यों द्वारा बेसहारा पशुओं के गले में रेडियम रिफ्लेक्टर बेल्ट लगा कर रात्रि के समय होने वाली दुर्घटनाओं पर रोक लगाने में महती भूमिका निभा रहे है।

फाउंडेशन के सदस्यों को जिले में जिस भी स्थान पर बेसहारा पशुओं की ज्यादा संख्या की जानकारी मिलने पर दिन-रात संस्था के संस्थापक स्वयं अपने सदस्यों के साथ मौके पर पहुंच कर अपने वाहनों से मौके पर पहुंच कर बेसहारा गोवंश रेडियम रिफ्लेक्टर बेल्ट बांध रहे है। अभी तक जिले के दौंगड़ा, बाछौद, अटेली, नारनौल आदि क्षेत्रों में पहुंच कर 125 से अधिक बेसहरा पशुओं को बेल्ट लगा चुके है, इस मुहिम व कार्य क्षेत्र में प्रशंसा हो रही है। शिव शक्ति जनसेवा फाउंडेशन के संस्थापक सत्यप्रकाश यादव गांव सिहमा के रहने वाले हैं।

उन्होंने बताया कि उसके साथी अभिषेक ने रात्रि के समय सड़क मार्ग अचानक गोवंश आने से दुर्घटना हो गई थी। उसे दिन से उसने तथा संस्था के सदस्यों को इस बारे में अवगत कराने पर सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि अब आवारा पशुओं की जानकारी मिलेगी, उस स्थान पर जाकर पशु के गले में रेडियम रिफ्लेक्टर बेल्ट लगाई जाएगी।

मंडी अटेली। पशुओं के गले में रेडियम रिफ्लेक्टर बेल्ट लगाते हुए। फोटो : हरिभूमि

संस्था के सदस्यों के कार्य की सराहना

सत्यप्रकाश यादव ने बताया कि इस मुहिम में फाउंडेशन के सदस्य विनय कुमार, साहिल, योगेश यादव, लक्की, ललित, विकास, संदीप, विक्रम, मोहित खारीवाड़ा, हिमांशु आदि बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे है। अटेली क्षेत्र में गत रात्रि फाउंडेशन के सदस्यों द्वारा अटेली के पावर हाउस, नए बस स्टैंड आदि स्थानों पर पहुंचने पर सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. जितेंद्र पाल, पार्षद बिरेंद्र व तरुण यादव आदि ने संस्था के सदस्यों के कार्य की सराहना कर सम्मानित किया। फैजाबाद चौकी के प्रभारी सब इंस्पेक्टर पवन कुमार ने बताया कि संस्था के सदस्यों द्वारा यह पुनित कार्य के साथ सड़क मार्ग पर दुर्घटनाओं में कमी का कारण बनेगी। इस कार्य में समाज के दूसरे संगठनों को भी आगे आना चाहिए। अगर पुलिस चौकी की किसी प्रकार की जरूरत पड़ती है तो पुलिस अपने स्तर पर फाउंडेशन की हर तरह से सहायता करेगी।

यदुवंशी कॉलेज में मनाई महावीर जंयती

नारनौल। जैन धर्म में जन्मे महावीर स्वामी की जयंती व भाई बहन दिवस यदुवंशी डिग्री कॉलेज में मनाया गया। संस्था डायरेक्टर सुरेश यादव ने स्वामी जी की जीवन गाथा का वर्णन करते हुए बताया कि माता त्रिशला व राजा सिद्धार्थ के घर में जन्मे स्वामी ने तीस वर्ष की आयु में आध्यात्मिक मार्ग अपनाया था। डा. प्रदीप यादव ने बताया कि स्वामी जी ने धर्म, सत्य, अहिंसा, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह, क्षमा आदि गुणों पर सबसे ज्यादा बल दिया। प्राचार्य बजरंग लाल ने कहा कि त्याग और संयम, प्रेम तथा करुणाशील, सदाचार जीवन ही स्वामी जी के प्रवचनों का सार था। उप प्राचार्या सोनल यादव ने जयंती के साथ भाई बहन दिवस के उपलक्ष्य में सभी विद्यार्थियों को एक दूसरे के प्रति जिम्मेदारी का जीवन व्यतीत करने की प्रेरणा दी और कहा कि सबसे मजबूत और रेशम की डोर से बंधा यह रिश्ता पवित्रता का प्रतीक है। यदुवंशी एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने महावीर स्वामी के जीवन का उद्देश्य प्रस्तुत करते हुए सभी को प्रेरित किया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

आवागमन करने वाले लोगों को उठानी पड़ रही है परेशानी

22 सालों में भी नहीं बन पाया कृष्णा कॉलोनी से माजरा पुल तक का एक किलोमीटर का मार्ग

शहर और रेवाड़ी रोड को जोड़ने वाला मुख्य व छोटा मार्ग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

शहर के कृष्णा कॉलोनी से रेवाड़ी रोड को जोड़ने वाले एक किलोमीटर मार्ग 22 साल से बदहाल अवस्था में है। अब इस मार्ग पर सड़क के नाम पर रोड़े व कच्चा रास्ता ही शेष है। एक किलोमीटर सड़क मार्ग पर गड्ढों की भरमार है। बदहाल सड़क मार्ग होने के कारण बाइक चालक दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। लोगों ने अनेक बार नगर पालिका को लिखित व मौखिक रूप से अवगत कराया है, लेकिन शहर की सरकार की चार योजना बीत जाने के बावजूद भी इस मार्ग की सुध नहीं ली गई है।

यह सड़क मार्ग शहर और रेवाड़ी रोड को जोड़ने वाला मुख्य और सबसे छोटा मार्ग है। शहर व आसपास के गांव के लोग इसी रास्ते से गुजरते हैं। रेलवे फाटक पर अनेक बार लंबे समय तक जाम लगता है। इस सड़क के सहारे गांव माजरा खुर्द अंडरपास से नीचे से सीधे शिव मंदिर के पास रेवाड़ी रोड तक पहुंच सकते हैं। गोशाला रोड, मसानी चौक से सीधे इस मार्ग का प्रयोग कर शहर की भीड़ से भी बचा जा सकता है। बारिश होने के कारण गड्ढे और भी गहरे हो गए हैं।

महेंद्रगढ़। जर्जर अवस्था में सड़क। फोटो : हरिभूमि

जल्द करवाया जाएगा सड़क का निर्माण

शहर में सड़क मार्गों के निर्माण का कार्य चल रहा है। इस सड़क मार्ग का टेंडर प्रक्रिया पूरी करके निर्माण शुरू करवा दिया जाएगा। शहर में जो भी सड़क जर्जर है, उसके निर्माण के लिए पहले ही प्रस्ताव किए जा चुके हैं। शहर की सड़कों की दशा सुधारने के लिए नगर पालिका की ओर से तेजी से काम चल रहा है। जल्द इस सड़क का निर्माण करवाया जाएगा।
-रमेश सैनी, चेयरमैन नगर पालिका, महेंद्रगढ़

स्थानीय निवासी प्रवीण सैनी, विक्रम शर्मा, भूपेंद्र, रामशरण, रामचंद्र, राकेश कुमार, सुरेश, भानाराम, सुभाषचंद, संदीप, नरेश व सुरेश कुमार आदि ने बताया कि कृष्णा कॉलोनी से रेवाड़ी रोड को जोड़ने वाले एक किलोमीटर मार्ग काफी जर्जर हो चुका है। इस सड़क मार्ग की सुध लेने वाला कोई नहीं है। इस सड़क मार्ग पर कृष्णा कॉलोनी व राम विहार कॉलोनी बनी हुई है। कॉलोनी निवासी सुबह शाम सैर करने के लिए जाते है। बारिश के समय में गड्ढों में पानी भर जाता है, जिसके कारण बाइक चालक हादसों का शिकार हो जाते हैं। अधिकतर बाइक चालक गड्ढों के कारण गिरकर चोटिल हो जाते हैं। आए दिन एक किलोमीटर मीटर सड़क मार्ग पर करीब तीन दुर्घटनाएं होना आमबात है। उन्होंने बताया कि नगर पालिका ने 21 वर्ष पहले यह सड़क मार्ग बनवाया था, लेकिन उसके बाद से अभी तक इस रोड का निर्माण कार्य नहीं हुआ है, जिसके कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।